Q6. अन्तराष्ट्रीय व्यापार में उत्तरी अटलांटिक जल मार्ग के महत्व का वर्णन करें।

→ साधारन रूप में वस्तुओं के आपसी आदान प्रदान को व्यापार कहते हैं। एक देश का जल दूसरे देश से व्यापार होता है तो उसे अंतराष्ट्रीय व्यापार कहते हैं। अंतराष्ट्रीय का सबसे महत्वपूर्ण साधन सामुद्रिक व्यापारिक मार्ग होते हैं। सामुद्रिक व्यापारीक मार्ग आर्थिक एवं वाणिज्य भूगोल का एक महत्वपूर्ण अंग हैं। आज बड़े पैमाने सामुद्रिक व्यापारीक मार्गों द्वारा व्यापार किया जा रहा है। सामुद्रिक व्यापारिक मार्गों ने विश्व के आर्थिक जगत में एक नवीन क्रांति ला दी है, अतः इस संदर्भ में कहा भी गया है — "THE OCEANIC TRADE ROUTE HAS BROUGHT A GREAT REVOLUTION IN THE FIELD OF ECONOMICAL WORLD."

विश्व के जल मानचित्र को देखने से यह स्पष्ट हो जाता है कि आज समुद्रों पर व्यापारीक जल मार्गों का जाल बिछ चुका है परन्तु इनमें तीन ही व्यापारीक मार्ग विशेष महत्वपूर्ण है, जो निम्न हैं —

(i) NORTH ATLANTIC TRADE ROUTE
(ii) SUEZ CANAL TRADE ROUTE
(iii) PANAMA CANAL TRADE ROUTE

ये तीनों विश्व के सर्वाधिक महत्वपूर्ण जलमार्ग हैं, जो विश्व की व्यापारीक व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। आज अंतराष्ट्रीय व्यापार को ही किसी देश की आर्थिक उन्नति का द्योतक माना जाता है अतः कहा गया है — "INTERNATIONAL TRADE IS CALLED THE ECONOMICAL BAROMETER AND THE BACK BONE OF NATION."

Scanned with CamScanner

उत्तरी अटलांटिक व्यापारीक मार्ग संसार का सबसे बड़ा एवं व्यवस्त सामुद्रिक मार्ग है। यह अटलांटिक के उत्तरी भाग में स्थित है। यह पश्चिमी यूरोप एवं उत्तरी अमेरीका को जोड़ता है। यह विश्व के दो सर्वाधिक विकसित (औद्योगिक व व्यापारिक दृष्टि से) प्रदेशों को मिलाने वाला मार्ग है। अतः कहा भी गया है — "NORTH ATLANTIC TRADE ROUTE IS CALLED LIFE ~~LINE~~ LINE BETWEEN TWO MOST DEVE-LOP PARTS OF THE WORD LIKE AMERICA AND EUROPE."

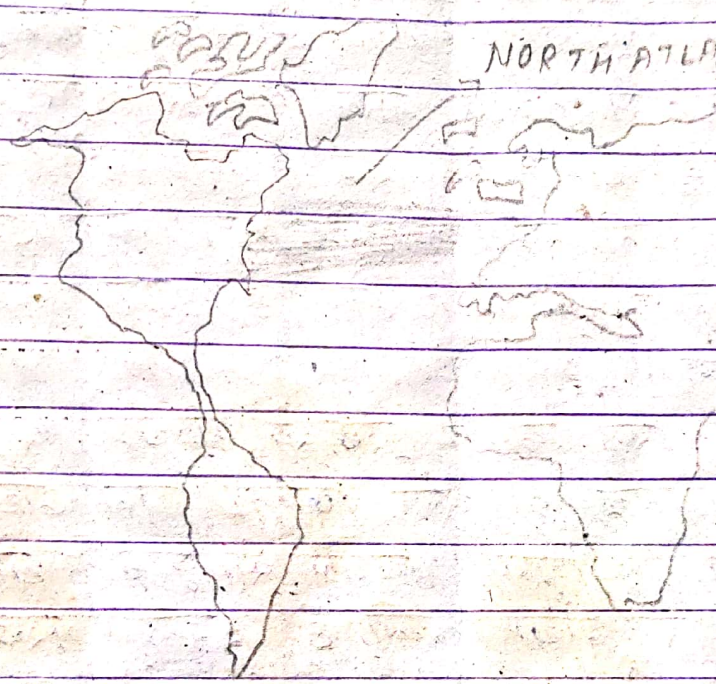

NORTH ATLANTIK TRADE ROUT

इस व्यापारीक मार्ग के ओर पश्चिमी यूरोप के ग्रेटब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, पोलैंड इटली, नार्वे, स्वेडन आदि हैं तो दूसरी ओर उत्तरी अमेरीका के सं० रा० अमेरीका एवं कनाडा है। ये देश काफी उन्नत व समृद्ध है। तकनीकि ज्ञान एवं असुमार पूंजी के मामले में भी दोनों ओर के देश बढ़े-चढ़े हैं। अतः इस मार्ग का महत्व स्वतः बढ़ जाता है।

इस मार्ग पर विश्व के 25% जहाज

जहाज चलते हैं, तथा विश्व के 50 में 30 प्रसिद्ध पत्तन इसी मार्ग पर स्थित हैं। इस व्यापारिक मार्ग पर स्थित प्रमुख बन्दरगाह लंदन, लिवरपूल, ब्रिस्टल, हैम्बर्ग, न्यूयार्क, बोस्टन, फिलाडेलफिया, क्यूबेक आदि हैं। संसार में सबसे अधिक कच्चे माल की खपत पश्चिमी यूरोप में होती है और यूरोप ही विश्व को सबसे अधिक तैयार माल भी निर्यात करता है। अतः स्वभाविक है कि इस क्षेत्र में वर्ष भर जहाजों की भीड़ लगी रहती होगी, यह जहाज सं० रा० अमेरिका से स्क्रैप, लोहा, कपास, मॉस एवं खाद्यान तथा कनाडा से गेंहू व लुग्दी यूरोप पहुँचाते हैं और लौटते समय यही जहाज यूरोप से तैयार माल ले कर आते हैं। दोनों ओर आंतरिक जलमार्गों एवं स्थल मार्गों की सुविधा है। भीतरी भागों तक व्यापारिक क्षेत्र फैले हुए हैं। इसमें मार्ग से जितना परिवहन होता है उतना अन्य किसी मार्ग से नहीं।

इस क्षेत्र में पूरब से पश्चिम की ओर अर्थात यूरोप से अमेरिका की ओर जितना माल ढोया जाता है, उसका तिगुणा, चौगुना पश्चिम से पूरब अर्थात अमेरिका से यूरोप की ओर ढोया जाता है। इसका मुख्य कारण यह है कि यूरोप से अमेरिका को छोटे-हल्के व मूल्यवान तैयार माल भेजा जाता है जबकि अमेरिका द्वारा यूरोप को बड़ी मात्रा में खाद्यान्न व कच्चे पदार्थ भेजे जाते हैं।

इस मार्ग को शक्ति के साधनों जैसे - कोयला व पेट्रोलियम की सुविधा है। दोनों ओर के क्षेत्र संसार के प्रमुख कोयला उत्पादक हैं। इसके अलावा बन्दरगाहों के निकट ही पेट्रोलियम की भी सुविधा है।

Scanned with CamScanner